

ASHA ARCHIVES 3623

२ उँ नमः श्रीवज्रसूक्तम् ॥ सुय्याधिः गुप्ताया ताद्य ॥ यजुज्जातन
 जयवक ॥ गुप्तामंडलः तस्य वसि ॥ सुय्याधिः गुप्ताया ताद्य ॥ यजुज्जातन
 मंडलः तस्य वसि ॥ जायः धृयः कनयासः गनैः स यहाक
 नः श्रीसुद्धीः यजुयजुनीः नागयः नायका कयः
 नीमिः कडात बाडातः साहामाः साहाराः साहाराः नृदिः
 यनयजा ॥ यनयजाया दावः यनयकनन ॥ यनयसा

साहवनयाय ॥ ॥ उँ नमः ॥ यिक्कु विथान ॥ सखल
 खनहाय ॥ उँ रूखलह ॥ वचविहि ॥ उँ मदनिकजिरव
 वज्रवधह ॥ वजनधीय ॥ उँ वज्रसल मयिकससवनः म
 उ ॥ ॥ उँ ममहाकसादिव्याः यविता वदुदवताः
 वदुधर्मसंयनताः यथादी जाननगहीः जजमानस्यः स
 विविश्यायुलाख्यथं कवेक सुसि साहा ॥ ॥ वाक्यजा ॥

ॐ ह्रदाय सुजाधिय यस्मात् ॥ ॐ अजय गजाधिय यस्मात् ॥
ॐ उमाय यगाधिय तयः ॥ ॐ नैमिनाय साधिय तयः ॥ ॐ
सुनाय नागधिय तयः ॥ ॐ वायुवयवनाय धिय तयः ॥ ॐ कुबेराय
यजुषाधिय तयः ॥ ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ गजाधिय तय यस्मात् ॥
यजा ॥ ॐ सुत्रयति चैवः अग्नि तज्जादि यारवः उमाय
गधिय चैव नैमिनाय साधिय नागधिया वनयाना

वायुवयवनाधिय तयः कुबेराय यजुषाधिय चैव ॐ नसानाधि
य नैमिनाय ॥ अत गधिय ॥ ॥ गजाकारसुधन ॥ ॐ उमाय
मानस्यः ॥ गजाकारसुधनस्योक्तमाध ॥ ॐ वदो वायातु सर्व
गदन्ति नमस्तुता दंतगति सुमेता साता कल्यानचित्तः सु
कलज नयसिता टानन जोधनार्थे यजा गृह्णतु साति वि
दधतु यज गृह्णतु गजागता ॥ ॥ धनसि मयातयाचक

॥ तु ता मि ता ण न या य ॥

मि के नु हं र ग सा हा ॥

का न न बं ज ना ॥ ३ ॥

न जं य म मा स वः

वः यी न व ले

व व न डा ण मा

सा ट नः

॥ १ ॥ स र्व या य वि धि मा ना न रः

॥ ख नि वा के ॥ ॥ ध म ना ॥ ॥

॥ त त क लि ता ॥ ॥

॥ यि म धा र्य का ल

॥ न व न का ला र

॥ वः यी न व ले

॥ व व न डा ण मा

नः उ ता म क नः ध ति नः श्री क ण स स्त्रा न क र मा ति नः स म

या इ णि वि रा य ॥ ३ ॥ उ हि ही म हा र नः वि धि ज स क स ग

ही ला ह मिः म हा न सि स नि दि ता र व सा हा ॥ ३ ॥

न त कि ना ज म डा ॥ ॥ त त नि ना ज नः स र्वा व णु द्याः

आ क थ न ॥ ३ ॥ अ गि थ आ दि द्या दि य वि वा वि र व म हाः

प्रि यः ह व क वे वा ह ना य ६ ॥ अ ज ह व हाः स म य मि ती

॥ ॥ संखलखन ॥ वज्रनदिकाना ॥ ॥ अग्नियय
वत्तसस्का नाद्यं वगीचस्काहा ॥ अचमने ॥ ॥ ३ अचम
युवत्तसस्का नाययाद्यं वगीचस्काहा ॥ अचमनमने ॥
३ अचमयुवत्तसस्का नाययाद्यं वगीचस्काहा ॥ अचमन
मने ॥ ॥ ३ वज्रनज्जः सुगंधजनेन सा ययने ॥ ॥
॥ तीननसमयाग्निपुर्वे ॥ ॥ ३ अजिरवर्क ॥ वव

गया ॥ ॥ ३ सर्वगणगं कायविलंबनस्काहा ॥
यचगवना ॥ गगवय्ययासा ॥ ३ वसवनायस्काहा ॥ ३ अ
दिदेवनास्काहा ॥ दिवेजानायस्काहा ॥ ३ वज्रिदेववगाय
स्काहा ॥ ३ अनस्याकायस्काहा ॥ यूजा मने ॥ तदसवीजनी
व्यागं वेसवने ॥ महजलवेस्का नतमं हवदे सबसंयुगी
दायक ॥ ॥ गय ॥ ॥ गगवृगसधन ॥ ३ गीस्काहा ॥ ॥

उजमानको खच के॥ इंसुर्षयाय दहनवजायः सव पाव
दहसाहा॥ इव राजनसधृते नसि स्वथा॥ इंसुर्विहिदी
साहा॥ ॥ गंगा॥ इमीमथे नकात्र नजवद नरुत युमान
मुकुवजविसावे जातुय न नन वजीमथे गीसव वगा
हगिदद्यात॥ ॥ उअगिय साहा॥ धृते ३॥ इअकाय
साहा॥ अकनसि॥ उवजसमायस साहा॥ यतासि॥

इंवजागनाय साहा॥ खदिसि॥ इंवजवुदाय साहा
अयामासि॥ इंवजकवनाय साहा॥ उतगसि॥ इंवजः
यस्यय साहा॥ इविन॥ इंवजसनि चनासाहा॥ सनिकथ
उवादि वजाय साहा॥ वेनग॥ इंवजनगाय साहा॥ यी
नगा॥ इंवकवीजाय साहा॥ वनन॥ इवेन मधून साहा
मधूनसि॥ इंसुर्षयाय पुसमनाय साहा॥ वेककसि॥

ॐ सह कात्राय स्वाहा ॥ अ व सि ॥ ॐ कज कद वाय स्वाहा ॥
क न व सि ॥ ॐ व ज रि सा गि काय स्वाहा ॥ मद क ० ॥ ॐ
गि अ न उ स ग मि द ॥ ग ता क स वी छा दि हा ग वे ॥ ॐ अः
यु ति हा ग वे जाय स्वाहा ॥ क स ॥ ॐ व जाय वे स्वाहा ॥ दु वी
ॐ सर्व याय द रु न वे जाय स व याय द रु स्वाहा ॥ ति ना ना ॥
ॐ व ज य य य स्वाहा ॥ अ य ग ॥ ॐ व ज वे ग य स्वाहा ॥ ग य ॥

ॐ व ज द्र स म रा या स्वाहा ॥ मा द्रा ॥ ॐ व ज वि आ य स्वा
हा ॥ स्वा न धा ॥ ॐ वी आ रु वा य स्वा ॥ द्वा ॥ ॐ व ज म हा
व रा य स्वाहा ॥ मा स ॥ ॐ व ज मा हा क ना य स्वाहा ॥ स्वा
गा ॥ ॐ व ज क ला न व स्वाहा ॥ क गु लि ॥ ॐ व र क म रा य
स्वाहा ॥ क न थ ॥ ॐ व ज म ग रा य स्वाहा ॥ मृ क ॥ ॐ व ज
रु न म स्वाहा ॥ रु गी ॥ ॐ व ज स वी वि आ रु वा य स्वाहा

आदि । १८ वज्र त्राजाय स्वाहा ॥ गाय ॥ वज्र सवाधसि
धय ६ स्वाहा ॥ युको वनका ॥ ३ सव सव वय स्वाहा
दानजा धलिजा ॥ ४ शदसर साय स्वाहा ॥ कासि ॥ सुनाय
गस वना ॥ ५ उ नखा ती ग हात वे ॥ वज्र सव ज्ञा दाटय स्वा
धय रुदर ॥ ६ वा दन ॥ घृगद मि ॥ सा ती वाक ॥
३ उ मयदि यदि वा विस्त्रविम महाः शीय ह वे क व व

ह नाय ॥ ७ नयु य अमुकस्य अमुक दवगा आ नार
लाय सा ती वा नि कृत् ३ उ गि स व ज २ य ध मा ह मि सु
ता २ म रु ह स्वाहा ॥ ॥ देव महा पूजा ॥ ना स्या रु ती
रु ती अरु प ना रु ती ॥ जाय धूय धान ॥ ॥ ग गा व द
अचम ना दी के कुला या का रु त अ न वि स्र वे ॥ हा ला
का ना ल म रु स्य उ दि कम ना च डा स ना य लि म उ ला र

या ॥ **र**खनु ना हाय इंदु टखरु ॥ ॥ **ध**न **ध**ययाय
॥ उरुग वसुठ विद्या नजन मो मुने ॥ कुरुमिच्छा महेना
ध मउल कन नमक ॥ सिखा नम नम माय य द्या क द्य
नायव ॥ गभरु क स्य रुग वव यु साद क नु मह सि सिम
नरु न नु मा व द्या ॥ अखा दिश स सिगा ॥ वज सखरु ॥
माचार्य देवगी व स्य त्या महे दिजे रुग नम हा ज्ञान

यगी गा क नु मह था ॥ ॥ **ध**न **ध**वया क वजन थिय ॥
ग था ग गाय सखा व न सखा व मिद रुग गा न थ ग गाना
सखा व नी सखा व मिद रुग न ॥ अनया गम थया व मु सुधि
क न न ॥ ॥ निनाउ मगरु गातवा स गवन य जा मुनि
॥ इ उरु मान स्या उ मरु गा यय सखा ॥ ॥ नू नी जा

सिद्धिधनविधि॥ ॥ **ध्यातिव** सूत्रा नाकयायति
याग सिद्धनादान ध्यायाय॥ उरुगवत्सद्वजविद्या
नाज नभामुतः कुरुमिच्छाम्यहनाथमंडलकत्रुनामः
कसिख्यानानामनुकयाययूथ्याकंयुजनायचरुसरक
स्यरुगचुसादकुरुमहथः समलहनकुरुमावद्धा अंस

खादिहसंमिना वजसत्तहमाचार्यदवगाकत्य
याग्रहवेजतुगमहाज्ञानयुगिनाकुरुमहथ॥ ॥
थनदवया हृदयमंत्रः तूजवगससायाव॥ इमक
सत्तनय॥ कजनधीय॥ ॥ उवजवीजमाकखयद्रुज
उवजवीजमंडलगाययह॥ उदवगावीजमंडलव

रुयव ॥ ॐ देवता वाञ्छा नाखय ॥ यज्ञा ॥ धनसुखी वा
कनः अथ यामा लाम कनवा यास यान प्रय ॥ ॥
धन ॐ सानस साद गुरु वज चिद्र कलसन सना
नयायः ॥ यरु गवनस यन ॥ यसत्वन चवत धम्मस
क भविजिः मुडाग नसदिगः विपश्यकस्य वेत्तावन

एरुवदः खविना सुकस्यः गर्मगरुवदं नु नय
लमाति धेक ॥ ॥ धनसंखलेखनहाय ॥ ॐ सर्व
संद नियेद ॥ ॥ धन नायु वरु हहन ये ॥ ॐ वाक्षी
गदज कवगा लंका ल यल्लयवी नाय साहा ॥ धन ॥
वजान धिय पुवज सत्तद ॥ धन अद्रुति ॥ ॐ रुतथ

मन्य गृहे २ इदं न साहा ॥ दे जा नृनि ॥ ॥
धननाद जाया विधि ॥ ॥ जाय धूय निनाजम
गरु गसवा आकथन वाद्यादि यथ्यासयुजा
नृनी ॥ धन धूय्याकनसनसना : यवगधननय
न ॥ जमगतकनिसयानि सवजनाग श्रीवजनागवत

साधू ससमिगन अज्ञा ल्यत्र जसुगतस्य महासु
खसु नमगलरुवतु नेद्यवनातिथिक ॥ धन वरुग
यास ॥ खिजर्वरुसुहं गिकायादि धान ॥ ३ आहु
वन गायन हास यधमा ॥ धननादजा ताजानगाय
स्वगिकाक ॥ हाययव मे वद्यसर्वसयुत खाअताअस

समविर्तलसलसा ज्ञाय नानी ददामि पुत्रमंयनाः
ॐ गीद्विगीय जीमन्नु विधि ॥ ॥ गंगाजाग कम
माहा ॥ खदस ॥ अद्यविय ॥ अक्रोडनी लहीलीहालः
सयुध्यनाग नायुद्धममनी गास जिखादि संख्या नाजा
कसूरगीतव्यखी नाचरी सुयतिपूने स अद्ययाग

इंजीयवलससूनाय श्रीमत् श्री ३ अमृतदेवता
रगनाकाल अद्ययुगीचखाहा ॥ ॥ धनयीतवतदाह
त्रय ॥ इंजीतवनायखाहा ॥ धनदिगीदन ॥ ॥ धनः
चितकात्रहाथवृजा ॥ ॥ इं चक्षर समतचक्षविसव
नखाहा ॥ ॥ धनमनकन ॥ इं चक्षरह ॥ धनः कस

कनन ॥ ॐ ज्ञानचक्र षट् ॥ वज्रना ॥ ॐ वृक्षचक्र षट् ॥ ॥
थन सुवर्ण सुनाकनमि सुता ॥ ॥ ॐ ज्ञानयगसंत
सुवर्णनामं जिने ववासा कावेद्यना ॥ ॐ यथात्राग
सुगमिल ॥ ॥ ॐ गीतिविद्याविधि ॥ ॥ **थन** वाचनी
आहनय ॥ ॥ ॐ वाचं गजकवताल कात्राय साहा ॥ थन ॥

थमनालि सुदन ॥ सुगीवाकेदि ॥ ॥ **थन** वायुवेयाकलस
नसनानयाय ॥ नसाकेचकननलेयन ॥ नयखानचिद्र ॥ ॥
मेगीयनाथवसवादि सले यकिनिर्जयड यिहानः विष्णु
हसले निष्पद्यारवगीमिलरुः ॥ जनायहासं नर्मगल रं
वक्रुगेयलमारिथक ॥ ॥ **थन** मय म्मासहहनय ॥ ॐ वज्र

पूगती वासुकी च स्वाहा ॥ ॥ धन शुचि वययाय ॥ ॥
नडव लवन सहित सयुज खया म्यह ॥ ॥ धन सिधुजा
नायाय ॥ ॥ इंदव सगुल्य कुरु सिधुन यगी च स्वाहा ॥ ॥
धन आदुगी विय ॥ ॥ इंदु रा गय स्वाहा ॥ यजा नृति ॥ ॥
०० गीजा न कर्म विधि ॥ ॥ नगनाम कसन विधि ॥ ॥

खट्ट दिससि पु नु विज ना नाममाताः पुह ल कलस म हा
निच सनवु नामा नुज धृन कू सि सा गु विन्य स विव मृद्धिः
विहि न ह द य म गीज य म गी न प्रन ॥ ॥ निजाज मरु
ना प्रवा ॥ यजा नृति ॥ ॥ धन दडिनया कनस सनान
रुसे निहिया प्रयन ॥ चिन नल ॥ उर्म गल म निरु न स्यजन

पुंरु न सुकृन्नाचवमहाससुसमिती केन श्रीनल्लसः
रवति न स्यानि (७) विरुत्य न मंगनं रुवकु ने यल्लमाः
रिषक ॥ ॥ दाकि चाय ॥ वल्लगगमात्ताद्याय ॥ युवा दं ७
॥ मन्त्याग ७ ॥ आयक ॥ दिषायस ॥ वसिवा ॥ नेयद्य
॥ ॥ अक्रुखन ॥ युज्यास ॥ युजा युती ॥ ॥ धनद्व

याददयस् वजनविर्णय ॥ ३ अमूक वजरुवरनसा
हा ॥ ३ वजनकुद ॥ ॥ धन श्रीखदुचगनतिचके उं तीनः
करुखनसाहा ॥ ॥ धनकसि लोययके ॥ ३ द्युगमधूया
सनसाहा ॥ धननामदूय ॥ ॥ ३ अमूकवजगधगगनामः
जागरुवस्व ॥ ॥ धने आदु निविय ॥ ॥ ३ वा ० वास्य

स्वाहा॥ यज्ञा गृही॥ गृहीतामकननमिद्वि॥ ॥ धन जन
कुविद्वि यादद॥ जाय धय नित्राण मरुद नत्रचा॥
यज्ञालास्या मृति॥ ॥ धनः जैन येया कनस नस
नान॥ यंच वकनन सयनः॥ अकसचिद॥ ॥ जम
गलकुसिसमयानुवजनी ह्वु ह्वु चक्रायदा प्रवल रा

खयुगस्य गस्य लाकसुतस्य सुग नस्य महा सुखस्य
गमनसुतवकु गे यनमोहिस्थक॥ ॥ धन स्वानमाः
लाच्य॥ ॥ यंच समसुखय सुनलीग वी लास नमि जैन
मामि॥ जइव हा हि ५ यतीच स्वाहा॥ धन देवसदः
वग दहसय॥ ॥ ॥ उदिववासस्य स्वाहा॥ धनः सिय

गीनीसः नासिका लय हर तीरु लय कान गया व दव
पाके गाय ॥ उं स मादिद न सर्व ग थ ग ग जिन यू क्यी
न न खा हा ॥ धन खान माना द्याय ॥ माल ती माद वीजा
नि मी डाल चयु का दी रि ॐ व्या दिय थ संयु न आहन य
थ मा सिक ॥ धन यलिल द दहन यय ॥ उं वरु का स स्य खा

हा ॥ धन कन करु न न द द न य ॥ उं सर्वा ल का ल रु ख
न खा हा ॥ ॥ धन लम न चंद न चि न न नि च के ॥ उं ती ल
व वि लु ख न खा हा ॥ ॥ धन जन क रु जा ख न द न या य ॥
स ख लं ख हा य ॥ उं ख ड नो य द न खा हा ॥ ॥ हो जा न
गाय ॥ ख ती वा क ॥ धन हो य य के उं न म स म स व

ई वादिसत्वानीं उवाच उवाच ददखाहा ॥ ई वाद्यमाः
नसमाधिपूगवीननखाहा ॥ ॥ धनव्ययग्यसह
हनय ॥ ई वरुयूगगीवाययुगीचखाहा ॥ ॥ धनकथ
खहनयाय ॥ ई सर्वकथागतकायविस्रधनेखाहा ॥ ॥
नगवगहनय ॥ ई नक्रामनायखाहा ॥ ॥ चनामदि

वा वाहनय ॥ ने वाद्यसर्वसंयुक्तखा अतो असमाननैलः
सनसा ॥ गविगानीददामियतुमयना ॥ ॥ धनजजमानः
नकनानक ॥ ई महासुखवज्जुद्रवहा समयस्त्रीसमय
मह ॥ ॥ धनजजमानन खानमाला ठनकगय ॥ ई म
हासुखमहानाजसिवसर्वउगत्यगीसर्वसत्तमनाव्याधि

लावग थाय ॥ ईं आः इ सा हा ॥ ॥ धन सु च न न गी च
 क ॥ ईं सु व वृ गी स व वि रू ख न सा हा ॥ ॥ धन मू गी म
 नान का थाय क ॥ ईं मू का र न न रू ख न सा हा ॥ ॥ धन
 म कू न न वृ य क ॥ ईं स र्व वृ द्ध चू ण म नी म हा म हा म व
 ट्यु गी च सा हा ॥ ईं क र्ज क्षा ने स सि रू रि षि च द्द ॥ ॥

व डि ऊ रि षि च र्ज ॥ ध र्म व डि ऊ रि षि च दी ॥ ईं क र्म वः
 डि ऊ रि षि च ऊ ॥ य्जा मृ ति ॥ ॥ धन उ ल ल या क
 ल स ल नः स नान यायः यं चा य दिः वि स्र व ज चि द्द ॥ ॥ र्ज
 क र्ज य ऊ व ल य ऊ स व ज या नि स मृ सि ना च स हि न स्य मा
 ध मि धिः य म ग ल हि न क र व न म वि र्ग न म र्ग र व वृ त्ते



यत्तमातिषेक ॥ धन आदौ गीवी ॥ ईं संतवामय गूढ २
हृदय स्वाहा ॥ ॐ गीचलाकसन विद्धि ॥ ॥ गीतावगादेः
स ॥ आकट्यनादि ॥ यथं भास ॥ ॥ ईं रावेना समयसर
स्नानसत्तः ॥ कसात्रिक सिद्धयेतु ॥ ॥ वजन थिय ॥ ॥
इ वजन वध ॥ मित्रक सिद्धव थियक ॥ ॐ उग सर्ववधा

ना स्नाननंजमगमं जरावयव धर्मव सिद्धराव युकीः
गीता सत्ता थदि क्रियासिद्ध कर वयं सदा रता येन
येनादिता थय वद्वलसमुया गत ॥ धन नन विय ॥ जका
॥ ईं वजधर्मदी ॥ ॥ धन सिद्धता विय ॥ सतीयाके ॥
धन देशात्रेन शाय यारावन थका शाय ॥ यजा नुती ॥ ॥

धन यश्चिमया कलसन सनानयाय प्रयन यंचामुगः
त्रकयममसिद्ध ॥ यदुजनास्यवनमालसु गीगनृयायः
लुखधूयवनिदीयः विचिग्नं (वे) यज्जानिनेयुगिसमवित्त
मंयुगीने तंमगतंरवकृते यत्रमारिथेक ॥ धन प्रदंवीय
॥ इत्यनास्यगृह २ हंरुठ खारु ॥ यज्जामुगि ॥ ॥ ॐ गी

यतादसविद्धि ॥ ॥ गीसमावरुमारु ॥ ॥ देसात्रनगवन
सिगंठरुयाया खरावन कुरुवसु यंयदुद्विदहनय
॥ गमय ॥ वाधिसलारुवा सर्ववद्वामि धृजागतामगावादि
सलामहासल खड्ग सिध्याचज सिननिखरावनीलार्जवः
सर्वसलाथकावनीगथगासमगाज्ञानवादिचित् ॐ गी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसमस्तं वाहनं नमस्कृत्य
ॐ सर्वं रत्नं नमस्कृत्य ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ धनसिद्धिं प्रयच्छतः ॥

धनश्चापस्व धनयाया ॥ शुभचसकयावः यचगयनसनन
याया। मंगलसंगमना ॥ मृज नचय रुसासकयाव ॥ दिगस
गाय दवयाकेगाय ॥ नृयगाथागतीमृडा ह्मनसाकय
ताकसिगृहिलायानी नायानिवृद्धकस्ययुकीकिता ॥ धन
ब्रमिदवहासा नृदि लखरातदृद ॥ धयाव अग्नि

मंडलदायक ॥ ॥ यस्यस्य धनक ॥ हिनीलाऊन मन
रु गात्रचा स्वयन सदस्य ॥ धनथाय थायसकया ॥ ॥
नृगीयानिगृह नविदि ॥ ॥ धन लायूमतव अऊऊ
गवनायश्चाव ऊऊका गिविय ॥ गऊरुदरुटसा हा ॥ ॥
यासथियक ॥ यासविसजन ॥ ॥ यिथाकदन ॥ धनकडा

नचय ॥ ॥ धनदि क्राविय मंडुससदगय दौया सरावन
३ ओखीबीतह ॥ धनमंडुयुज नाया दौया सरावन ॥ ॥ ३
सर्वत धागत युजा यस्म नाया सामनिश्रीतयामि ॥ ३ सर्वत
गतवजसला धितितस्वमी ॥ ३ वजवेचनदितितस्वमी
॥ ३ वजवजसलारिधिवमा ॥ ३ वजधर्मयुवतयमी ॥ ३ व

वजकर्मकनुधुमी ॥ ॥ धनजिवचासयाय ॥ यानी
यनीतायाय ॥ ॥ धनसूतकान हिदावाजाय ॥ ॥
३ इजीवजिरवहृद गितहृदहृद ॥ १०८ ॥ ३ सूयनीसिः
नवजि स्वाहा ॥ ॥ धनखानमातावाय ॥ सतिविक ॥
धन देवयाहृदसवजनधिसुतय ॥ ॥ ३ यनीतस्वसत्य ॥ ॥

धनयं चारिषक दथ्या कससनसनानयाय ॥ ॥ प्रयन
श्री खड ॥ ॥ वादि वडेन वद्वानं यथा दन ममामरुः ममादी
नाननायं आय खसवडादि दडाहिमः वद्वानमरिषक
मु उगता नायवजीनाः ॥ कसाय थादत न थादरुधूम
साहिः उमंगलहि न कसयनमवविनं यथन्यकिः

याकवनमार्य उसारिषीकं कृष्ण उगमरगवान मूनी
सावसिह नमंगलं रवदुते यलमारिषक ॥ ॥ :
यवगंधनप्रयन ॥ ॥ मकटनथायक ॥ ॥ सर्वद्वरु
शमनिमहामकटं युगीरुमाहा ॥ ॥ अरिषकमहावर्जने
वाककनमस्तु न यथाकं युजनाथाय मकटं यवक सा

रव॥ ॥ धनवजारिषक॥ अद्यारिषिकलामसिः
वृषवजारिषकटः ॥ रुद्रगैडसर्ववृद्धलगुद्रवज
सुसिद्धय॥ ॥ धनघ्नरिषक॥ ॥ वजारियगील
मरिचागीकवजसमयस्यवजघ्न० अ॥ ॥ नग
नामारिषक॥ ॥ अ॥ अ॥ कवजतथागतनमजागठर

॥ गीयवारिषक॥ ॥ नगआवारिषक॥ ॥ इंसु
यगीगीगवजसाहा॥ ॥ धनगुद्रारिषकः ॥ इगी
इह॥ ॥ साहा॥ वजनयिय॥ ॥ धनयुद्धाहानरि
षक॥ ॥ इंसुवतथागतवजसरावामकाह॥ ॥
धनवजनाथारिषक॥ ॥ मूलमूलनचक्रसमूहीव

असत्तः स्वद्विदुः अकिन्नालातः सर्वविद्यवैशाच
नादिगन्धगन्धवद्भुवैश्वनदायनयुविस्तीक्ष्णय
न॥ इंसर्वासना नृवत्तनमहासुखमयगुणगोक्ष
नामयरावयत् ॥ ॥ धन आचार्ययुवत् ॥ ॥
आकाशसादचिद्रूपानदिति धनयनः महावज्रम

यसत्तः अत्रोद्यः वज्राद्यसिद्धम॥ सर्वगन्धामहासि
द्धिमाहस्युद्दिदवतः सर्ववज्रध्यानासासिद्धमेयत्त
माअत्तः निद्राखनासास्यगन्धसिद्धमयगुणगोक्ष
नत्तनसिद्धमेयगवानमहानागा॥ महानग॥ अत्युः
गुणधर्मगुणादिगुणैरुत्थागत समस्तसर्वसिद्धिः

वादि सत्वायुसिद्धि मे ॥ सत्त्वो रू मा म हा सिद्धि मे ह स्वर्ण
दि द व ना ॥ सिद्धि व ज म हा क खा व ज ग र ता व न म म
सर्व सत्त्व म ना जा न सत्त्व सत्त्व हा ॥ दि सि नः सर्व सत्त्व यि
ना चित कामा ग स म य वि नाः थ न स रान स रू नाः पु
रु या या म म ड ३ न न स रान न म न थ कामा ला य सि य न

य ॥ ॥ थ न क स क न के न्य ॥ यु ति वि द स मा ध र्मा ज्ञ
का गु द्वा ह ना वि ना अ ग्र हि नृ नृ ग ना या च ह नृ क र्माः
स मू र त ॥ न थ ना क त्व नि जा ना रू ती रान म ड ल यु तीः
वि मू र ट जि थ्याः सर्व य स्य मि क म र्वा ॥ ॥ रू ती र्याः
वा या प्र व स ॥ ॥ थ न य स म हा न य ज्ञा ॥ ॥ थ न थि न

हास यायाति हा थ यजा ॥ गता विस्व कर्मा स्वगी कसि
त्वा ॥ वरं ययजा ॥ गता विस्व कर्मा न्यत्य हता घनम ॥ ३
शीखरु रं दनं नम ॥ जह्नु वविरु कव्य नम ॥ गावाल
दडिना सम ययाम्यह ॥ ॥ गता ॥ विस्व कर्मानम गता
सु गेना वरु गिका नक नाना यय वचना योचनम गे विस्व

कर्म कर्म न भूत गं रव्य धूय दी य ने वद्या नू स ववि
रि यलिय ने न नु ॥ ॥ धन यय सूरु का काय दाव
गाथा यय ॥ ॥ गता दवा य सु वने दवा वसि नाया मू गी
दवा वाः ये त्या क धुजा वा या सा दा वा लय ना वा गं ध क ता
चुतं वाः यस्ते वाः अन य युती माती न कय कय सना य

य ॥ ॥ ॐ नि देवता युष्मद्वि द्वि ॥ ॥ धन दि
गवलि द्विय का धवलिः मरुवलि द्वियः धन युष्मद्वि द्वि
कः युष्मदायः धनमात्रसा दसा वलि कायः धन खानक गा
नः धन पुत्रपुत्राः दक्ष कायः कृमा पुनः शैसिंखा ॥ ॥
कनका कास्य शगन गस्य गयः धन कृमा पुन यायः श

मिषाः धन कृद दानः यात्र न यायः ॥ धनि धून काव
॥ ॥ ॥ हर्ता रागिया य विद्या न सजा गाथाः थाय ना या
दकि नाया दंदयः कं धन गिरु सह गुत्र मधुन दगुनि
कन पुत्राः कुरु न्यासः या न न्यासः ऊरु था पु ना याय ॥ य ध
मा दूतिः गीत कि नि नायनः मधुन ह्य ना दूति ॥ ॥

आहुतिवियर
थनमागका ॥ वलिविय । गीत यद्वैकायनि ॥ स्वस्तिवाक्या
दं ॥ ॐ स्वस्तिमागका वल्यचन एद्वैर स्वस्ति यद्वैरु स्वस्ति
थनः वलिउनिवः यनिसमयवियः वलिकुप्य ॥ धर्म
नियनिः पुनर्मेषु वदनकः लाक्याववलिः विसजनया
वकः थनदा कथनवः स्वस्तिकवयः स्वस्तिकसवन ॥
वा

नक्षत्रलंखनदाय ॥ ॐ स्वस्तिग्राहद्वैरुसाका ॥ यंचसगका
नहिन ॥ आययाय ॥ थनजायलाननकवक ॥ धूपयाय
ॐ यंचजागानिद्वी आनाधताय रुगवविद्या ॥ स्वस्तिवाय
॥ ॐ स्वस्तिवृज ॥ ॐ जाकिनिय ॥ ॐ लामायद्वैरु ॥ ॐ स्वस्ति
साह ॥ ॐ त्रिपिनियद्वै ॥ पूजाः सु ॥ ॐ जाकिनिचगथाः

नामा स्वर्गुपादाचत्रयिनि ॥ नमस्युवादि सस्मानः सवसि
द्विपदायका ॥ धनगित्रकायकत्रकाय ॥ नमस्युवाचनइका
य ॥ वलिपिय ॥ धनगुलवहाय ॥ मूरयस ॥ यंचनलनय ॥ १
ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥
नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥

मध्वचन ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥
॥ यज्ञा मुनि ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥
यितामनि कन ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥ ध्यान ॥ ॐ नमो भगवते गणपतये ॥
दगनविय दक्रितगयक ॥ धनदिगवल्लि ॥ काधवल्लि ॥
कूरकलावल्लि ॥ सिधलभाहनिदिनकः गियमात्रका गियक

कथन ॥ धनमात्रज्ञाय ॥ धनमुक्तमयवशात्कथय
कथय ॥ यंच धनमात्रज्ञाय ॥ मध्याकोत्रथः यष्टे गंधर्वाख
दक्षिण ॥ हि ॥ यष्टि ॥ इह ॥ उक्तवशाधि ॥ ॥ महाज्ञान
वाक् ॥ अथादि ॥ ऊक्तमानस्य ऊक्तयुम्बानां ऊक्तमानस्य
धर्म ॥ अष्टिसगनयत्रिवावस्य ॥ आयुश्चात्रायकामना

र्थयणासासुगना ॥ लसपायकामनार्थ ॥ हगवींश्रीवि
कर्मवच ॥ वत्रवात्रादि ॥ लढानकस्य कनसाचन ॥ वतुदेवण
संपूर्णकात्र ॥ लार्थनमासाह ॥ गिरुह ॥ निमित्कर्थ ॥ वृद्धं गिना
दुर्लभ ॥ यत्र ॥ गीतकात्रयि ॥ धनत्राक ॥ वृद्धय ॥ विन्दुविय
त्वेनदोवमासाह ॥ गिरिविय ॥ हनार्थवमात्रिदाय ॥ यत्रः

हाय ॥ गीतु कलित वज्रानलः अथवा ययं जयं वा ॥ यं वा
साति अहं निविय ॥ यजामुगी ॥ गीतु हं हं देह ॥ हिसक
सिद्धाय धूनकाव ॥ धन यु इम समय समय धूनकाव ॥
सिद्धायुनि धः युय धना हाकयनी ॥ धन सिद्धाह निविय ॥
धन विविथ ययुः ॥ धन नूनै देसा दे सिद्धाय ॥ ॥ सान

कनक गुरु यज ॥ दक्षिण ॥ दगु समय ॥ गनचक्र धू
मागति ॥ ॐ गीतु गीया किय ॥ ॐ ॥ ॥ सानि देह ॥ यनावि
धि ॥ सूर्याव गन या गद्यः यज ॥ सन हययकः गुरु मन्त्र सः
दगुनी यययः कनस न्यास ॥ अग्नि धयनः प्रथमा हं हं की
ति ज्ञानाहनी ॥ दव यज ॥ दव गहनी ॥ धन देसवः

सिद्धि ॥ ॐ नमः श्रीगुरुसत्सय ॥ नमो देवसानयुजाकव
नयार्थमंदिरियोगमयसुजमाडनयानीयत्यदं जयनः
नमस्तथागिनीनक्रवनाः सकानवीजसर्गुगिदल्लसः
वसोभूतहेसवाजीमूतनामः श्रीरघुवृक्षवसिष्ठासक
विद्वयैवेठाकः सर्वनीथिववासयुयुजयनः विद्वदसद्य

काद्यासि धृतराजाननिर्दगचंद्रावर्षदवीधूमनय
वनमाम्भुते ॥ ॐ नमः सायक ॥ ॐ श्रीगुरुमहामंत्रवी
द्यसायद्रुद्रसहा ॥ धृय ॥ ॐ सुजागानीसिद्धिवाक्यव
ननरसिद्धद्रुद्रसहा ॥ याद्यादिः प्रथम्यास ॥ ॐ रुद्र
सिद्धिचंदनमसहा ॥ ॐ गचंद्राय नमः सहा ॥ मकार

यनमस्तुहा ॥ ईश्वरामनमस्तुहा ॥ इदिकायनमस्तुहा ॥
दियप्रियनीनमस्तुहा ॥ इरुटनमस्तुहा ॥ इडायनमस्तु
हा ॥ इडवनीयनमस्तुहा ॥ इडिकायनमस्तुहा ॥ इडन्य
नमस्तुहा ॥ इडा नास्याद्यथावादनमस्तुहा ॥ मासन्वे
सुसंकासः खरुशगकविद्रुककामनूयामहादवीउम

इडायनमस्तुहा ॥ इति ॥ ईश्वरामनमस्तुहा ॥ इडिकायनमस्तुहा ॥
इडावहः ॥ उगैवकसविचूयाउ उगयागैववहइद्रुसहं उह
सहावसियुगीगुऊ शहहयवश्चरखाहि शिवुहै नवमून
वसिगुऊ शहीहंरगस्तुहा ॥ धनधमदनकः धनमनियन नियजन
मकरगानयाः सगवनलायः वगलायः स्वयनमिचक ॥ सिद्धा

धनदग्गुड सिकाय॥

रुगी विव्य॥ धनजप्रयं कौय सिकाय युजा॥ दग्गुनी वसि विव्य
॥ खान के गाकः गूरु युजाः दयिनाः निसत्रा काय॥ डासन क
यः डमायनः कनसा रिथ्य क॥ असि वाग सुग्वन॥ समय वि
य न वरु॥ दस वसि चय॥ सखा रुगी विव्य॥ डमायन वि स
जन॥ धन कनस डाय॥ ववा हान थ धन काय धन चाय॥

मं नुस सायन नि थजा का वनः वाड नसदि न॥ वरुन कयस॥
ॐ नाययान वव्य क नुय वा॥ नाहा काय धस नाग धी नय
सि हाव्या व कूमसि पूजा॥ गनय क धूम मल्ली॥ ॐ वाच व
इसि मं मउ उ कर्म विवि स माय॥ ॥ ॐ ॥